>

Title: Motion regarding suspension of Members from the service of the house under Rule 374 A (not moved)

संसदीय कार्य मंत्री, कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रह्लाद जोशी): माननीय अध्यक्ष जी, शुक्रवार को जो घटना हुई, इसके बारे में हमने निवेदन किया था, कांग्रेस पार्लियामेंटरी पार्टी लीडर अधीर रंजन जी से आपके समक्ष भी निवेदन किया था । हमारी रिक्वेस्ट अभी भी है ।...(व्यवधान) भारतीय जनता पार्टी, श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम पूरे सदन में शांति से, अच्छे ढंग से, स्ट्रक्चरल रूप से डिबेट चाहते हैं, लेकिन जो बर्ताव उन्होंने किया, दो सदस्यों ने किया, हाउस डिस्टर्ब किया और चेयर से डायरेक्शन भी दी गई कि आप माफी मांगिए, In spite of that, they have not asked apology.

अभी भी अधीर रंजन जी और मैम्बर्स से मेरा आग्रह है, क्योंकि यह बर्ताव बिल्कुल ठीक नहीं है । एक महिला सदस्य हैं, वह भी मंत्री हैं, ऐसे हाथ ऊपर करके आगे आना, ठीक नहीं है । ...(व्यवधान) It has been seen in a very bad light as far as the entire country is concerned. मैं आग्रह पूर्वक कहना चाहता हूं कि उन लोगों को माफी मांगनी चाहिए । हम तो किसी को बाहर करने के पक्ष में नहीं हैं, फिर भी अगर वे माफी नहीं मांगते हैं, तो मैं माननीय अध्यक्ष जी, आपके ऊपर छोड़ दूंगा, आपको जो कार्रवाई करनी है कर दीजिए ।...(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): माननीय अध्यक्ष जी, मैं बहुत विनम्रता से कहना चाहता हूं कि सरकार की तरफ से पार्लियामेंटरी लीडर और बाकी लोग यह न सोचें कि यह सदन किसी राजा का हवा महल है । ...(व्यवधान) हिन्दुस्तान के लोगों की, नुमाइंदों की बात करने के लिए यह सदन बनाया गया है ।...(व्यवधान) ये लोग नहीं जानते हैं कि किस तरह का मोशन लाना चाहिए ।

आप लोग मोशन लाने का तरीका नहीं जानते हैं, फिर भी पार्लियामेंटरी मिनिस्टर बने हैं ।…(व्यवधान) स्पीकर साहब उस दिन थे, जब सदन में चर्चा हुई थी ।…(व्यवधान)

विधि और न्याय मंत्री; संचार मंत्री तथा इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री रवि शंकर प्रसाद): वह अपनी पार्टी के नेता हैं, अनुभवी सांसद हैं । उन्होंने जिस तरह के शब्दों का प्रयोग इस सम्मानीय सदन के लिए किया है, वह बहुत ही निंदनीय है, उन्हें इसे वापस लेना चाहिए, यह हम कहना चाहते हैं ।…(व्यवधान)

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY : Sir, I would like to refer to page No. 1059 of Kaul and Shakdher. It has been clearly stated there that an order passed by the Speaker is final. उस दिन स्पीकर सर ने कोई ऑर्डर नहीं दिया । उस दिन स्पीकर सर की रूलिंग पर ओवर रूलिंग की गई ।

The rule of the Speaker was overruled. These kinds of atrocities and arrogance was being shown by you. जनाब, आप 374ए को पढ़ लीजिए ।…(व्यवधान)

> "374A. (1) Notwithstanding anything contained in rules 373 and 374, in the event of grave disorder occasioned by a member coming into the well of the House or abusing the Rules of the House persistently and wilfully obstructing its business by shouting slogans or otherwise, such member shall, on being named by the Speaker, stand automatically suspended from the service of the House for five consecutive sittings or the remainder of the session, whichever is less:"

क्या स्पीकर सर ने उस दिन कोई नाम लिया था? Did the Speaker name anybody? No. The House was continuing.…(*Interruptions*) सब कुछ होने के बाद आपको लगा कि हमारे दो सदस्यों के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाए । …(व्यवधान) हमारे सदस्यों को डराने की कोशिश मत करो । …

(व्यवधान) हम डरने वाले नहीं हैं ।...(व्यवधान) आप बात-बात में हमें डराने की कोशिश न करें ।...(व्यवधान)

गृह मंत्री (श्री अमित शाह): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान विनम्रता से नियम 374क की तरफ ले जाना चाहता हूं:-

> "नियम 373 और 374 में अंतर्विष्ट किसी भी बात के होते हुए भी किसी सदस्य द्वारा अध्यक्ष के आसन के निकट आकर अथवा सभा में नारे लगाकर या अन्य प्रकार से सभा की कार्यवाही में बाधा डालकर लगातार और जानबूझकर सभा के नियमों का दुरुपयोग करते हुए घोर अव्यवस्था उत्पन्न किए जाने की स्थिति..."

इसमें अध्यक्ष द्वारा सदस्यों का नाम लिए जाने का प्रावधान है ।

ऐसा नहीं है कि यह अध्यक्ष जी के सामने करेंगे । ...(व्यवधान) आप सुन लीजिए । सभा को बाधित करने के किसी भी प्रकार के तरीके पर इस नियम का प्रयोग कर सकते हैं । एक महिला सदस्य के सामने, महिला मंत्री के सामने हाथ खड़े करके वेग के साथ जाना, मैं नहीं मानता कि इससे ज्यादा कोई शर्मनाक बात हो सकती है । ...(व्यवधान) माननीय अध्यक्ष जी, This is a fit case for invoking Rule 374.

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट प्लीज, आप सभी बैठ जाइए ।

...(व्यवधान)